April-September, 1982 was 48.3 per cent as compared to 44.7 per cent during the corresponding period last year.

Hydro power stations are generally designed to provide peak support and the pattern of generation varies with the season. Therefore, capacity utilisation is not a good parameter for getting the performance of hydro power stations.

(b) To bridge the gap between requirement and supply, following actions are being taken:—

(i) Expediting the commissioning of additional generating capacity.

(ii) Transfer of power from surplus States to deficit States

(iii) Maximising generation from the existing thermal projects.

आकाशवाणी और दूरदर्शन में कार्यरत स्टेशन डायरेक्टर

2216. **श्री दिगम्बर सिंह** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) आकाशवाणी और दूरदर्शन में कितने स्टेशन डायरेक्टर कार्यरत हैं और उनमें से सलेक्शन ग्रेड में कितने हैं;

(ख) ऐसे कितने लोग हैं जो आकाशवाणी में 1.10.1964 को कार्य कर रहे थे और उनमें से प्रत्येक व्यक्ति किस ग्रेड में काम कर रहा था और ऐसे अधिकारियों के नाम क्या हैं जो 400-रुपये और उससे अधिक के ग्रेड में थे;

(ग) आकाशवाणी और दूरदर्शन में प्रोडक्शन काडर में कितने अधिकारी हैं, जो प्रोड्यूसरों अथवा वरिष्ठ पदों पर काम कर रहें हैं और जो 1.10.1964 से सेवा में थे;

(घ) उनमें से कितने अधिकारी 400/- रुपये या इससे अधिक के मूल ग्रेड में 1.10.64 से काम कर रहे थे; और

(ङ) क्या उपर्युक्त (ख) और (घ) भाग में उल्लिखित अधिकारियों का विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा और इस समय प्रोडक्शन काडर के लिए क्या विस्तृत योजना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (श्री आरिफ मोहम्मद खां) : (क) से (ङ). 1-10-1982 को आकाशवाणी में कार्यरत केन्द्र निदेशकों की सामान्य ग्रेड (1100-1600 रु०) में संख्या 69 तथा चयन ग्रेड (1500-2000 रु०) में 21 है।

उपरोक्त में से 1-10-1964 को आकाशवाणी में नियमित संवर्ग में 400 रुपए और इसके ऊपर शुरू होने वाले वेतनमान में केवल 2 व्यक्ति कार्य कर रहे थे। ये व्यक्ति हैं श्री डी० पी० रामचन्द्र, जो इस समय केन्द्र निदेशक के चयन ग्रेड में हैं तथा श्री पी० धर्मगनानी, जो इस समय केन्द्र निदेशक के सामान्य ग्रेड में हैं। आकाशवाणी के निर्माण संवर्ग के उन व्यक्तियों अर्थात् स्टाफ आर्टिस्टों, जो इस समय सेवा में है तथा 1-10-1964 को प्रोड्यूसर तथा उससे ऊपर के ग्रेड में थे की संख्या 9 थी। 1-10-1964 को, ये सभी 9 व्यक्ति 425-770 रु० के पूर्व-युक्ति युक्त वेतनमान में थे।

इन 9 भूतपूर्व प्रोड्यूसरों के नाम तथा उनके मौजूदा पदनाम इस प्रकार हैं :—

1. कुमारी अरविन्द दवे	प्रोड्यूसर (चयन ग्रेड) (700-1300 रु०)
2. श्री रसिक लाल भोजक	वरिष्ठ प्रोड्यूसर (900-1400 रु०)
3. श्री वी०डी० मदगुलकर	तथैव
4. श्री जी० के० कौल	तथैव
5. कुमारी कौशल्या माथुर	तथैव
6. श्रीमती माधुरी मट्टू	उप मुख्य प्रोड्यूसर (1100-1600 रु०)
7. श्री हफीज अहमद खान	उप मुख्य प्रोड्यूसर (1100-1600 रु०)
8. श्री ए० रमेश चौधरी	तथैव
9. कुमारी बुलबुल सरकार	तथैव

सरकार ने हाल ही में यह निर्णय लिया कि निर्माण संवर्ग के स्टाफ आर्टिस्टों को पेशन दी जाएगी तथा उनको नियमित सरकारी कर्मचारी माना जायेगा बशर्ते कि वे सरकारी कर्मचारी बनने के लिए अपना विकल्प दें तथा उनको शामिल करने के बारे में उनकी छानबीन हो जाए।

दूरदर्शन के केन्द्र निदेशक (सामान्य ग्रेड), (चयन ग्रेड) तथा निर्माण संवर्ग में इस समय कार्यरत व्यक्तियों के बारे में इसी प्रकार की सूचना एकत्र की जाएगी तथा उसको यथा समय सदन की मेज पर रख दिया जाएगा।

देश में शिक्षित बेरोजगार

227. **श्री उमा कान्त मिश्र** : क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) देश में इस समय शिक्षित बेरोजगार लोगों की संख्या क्या है तथा उनमें तकनीकी और गैर-तकनीकी लोग कितने-कितने हैं ;

(ख) प्रति माह कितने लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध में किसी विशेष कार्यक्रम पर विचार किया जा रहा है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमतीना मोहसिन किदवई) : (क) जैसा कि योजना आयोग द्वारा गणना की गई है, 1980 के प्रारम्भ में देश में शिक्षित बेरोजगारों (मैट्रिकुलेट